भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

जनसंदेश टाइम्स

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 10.06.2019

किसान कर सकते हैं हर समस्या का हल

वाराणसी। एमसीआईआईई बीएचयू में 'सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम और आरकेवीवाई-आरएएमटीएएआर' योजना कृषि मंत्रालय के तहत समर्थित पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रो.पीके मिश्र (प्रधान अन्वेषक, आरकेवीवाई-आरएमएमटीएएआर) ने आरकेवीवाई-आरएमएमटीएएआर योजना से अवगत कराया और किसान समुदाय को यह भी बताया कि कैसे वे अपनी बुनियादी समस्याओं को हल कर सकते हैं और इस योजना के माध्यम से अपनी आय बढ़ा सकते हैं। कचरा क्लिनिक फेम, प्रवीण नायक ने किसानों और गैर सरकारी संगठनों के लिए अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने ईंटों, प्लास्टिक टाइलों, ईंधन आदि जैसे कुछ उत्पादों को दिखाया, जो शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्र किए गए कचरे से बनाया गया था।

कार्यशाला

वाटर हार्वेस्टिंग डिवाइस लॉन्च किया गया

उन्होंने बताया कि हम कैसे कचरे से पैसा बना सकते हैं और इस देश की एक बड़ी समस्या को हल कर सकते हैं। महोबा के एक सामाजिक कार्यकर्ता धर्मेंद्र मिश्रा ने भी अपना अनुभव साझा किया। इस कार्यशाला में एक वाटर हार्वेस्टिंग डिवाइस लॉन्च किया गया है जिसकी लागत बहुत सस्ती है और बहुत उपयोगी है। कार्यशाला के अंत में, प्रो. पीके मिश्र ने कहा कि अगर किसी के पास कोई विचार है जो ठोस अपशिष्ट मुद्दे को हल कर सकता है और कृषि क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा सकता है तो आरकेवीवाई-रफ़्तार योजना में 20 जून से पहले आवेदन कर सकते हैं।